

डॉ. डोनाल्ड फाउलर, पुराने नियम की पृष्ठभूमि, व्याख्यान 22, फ़ारसी साम्राज्य

© 2024 डॉन फाउलर और टेड हिल्डेब्रांट

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 22, फ़ारसी साम्राज्य है।

अच्छा, पुनः स्वागत है।

हो सकता है कि आप कहीं न गए हों, लेकिन मैं कहता हूं कि आपका स्वागत है इस अर्थ में कि हम अपने अगले टेप खंड में हैं, और यह टेप खंड पूरी तरह से फ़ारसी साम्राज्य पर होगा, एक साम्राज्य जो कई शताब्दियों तक चला लेकिन एक साम्राज्य जो बहुत हो सकता है हमारे लिए अपनी इच्छानुसार व्याख्या करना कठिन है। जब कुसू फारस का राजा बना, तो वह मादी के राजा के अधीन था। जब ये जनजातियाँ प्रमुखता से उभरीं, तो मीडिया पाँच जनजातियों में सबसे महान था, इसलिए साइरस महान सर्व-विजेता राजा नहीं था जैसा कि हम सोचते हैं जब हम इस व्यक्ति के बारे में सोचते हैं।

वह एस्टीजेस का अधीनस्थ था। वास्तव में, साइरस इतना प्रतिभाशाली था और इतना स्पष्ट रूप से आगे बढ़ रहा था कि एस्टीजेस ने उसे अपनी राजधानी इक्बटाना में उसके सामने आने के लिए बुलाया। इसलिए, साइरस ने आने से इनकार कर दिया, और एस्टीजेस ने साइरस पर उसकी राजधानी अनशन पर चढ़ाई कर दी।

तो, रास्ते में, और यह एक ऐसी गतिविधि है जो साइरस के जीवन की घटनाओं की भविष्यवाणी करती प्रतीत होती है, आश्चर्यजनक रूप से, एस्टीजेस की सेना उसके खिलाफ उठी और उसे ले गई और उसे एक बंदी के रूप में साइरस को सौंप दिया। यह साइरस के विश्व स्तर पर प्रमुखता तक पहुंचने के दौरान की घटनाओं का एक प्रकार है। जब साइरस 559 में सत्ता में आये, तो दुनिया इस प्रकार थी।

मुख्य महाशक्ति बेबीलोन थी, जिसने फर्टाइल क्रीसेंट को नियंत्रित किया था। मीडिया ने इसका बारीकी से अनुसरण किया, जिसने उत्तर और पूर्व में बेबीलोन को घेरने वाले एक विशाल चाप को नियंत्रित किया। लिडिया ने अनातोलियन पठार के शेष भाग को नियंत्रित किया, जो अनातोलिया का पश्चिमी, अधिक तटीय भाग होगा। दक्षिण पश्चिम की महान शक्ति मिस्र थी, लेकिन यह भी स्पष्ट था कि मिस्र एक बूढ़े शेर की तरह था, जो कमजोर दुश्मन को मारने में सक्षम था लेकिन मजबूत दुश्मन के खिलाफ हानिरहित था।

तो यह विश्व मानचित्र है जब साइरस राजा बना। जैसा कि उल्लेख किया गया है, साइरस ने सबसे पहले फारस और मीडिया के महान शहरों को एकजुट किया, निस्संदेह, एक्बटाना को अपने हितों की राजधानी घोषित किया। अब, मैं यहीं रुकना चाहता हूं और आपके सामने एक बात रखना चाहता हूं जो मेरे जीवन के इस अंतिम चरण में भी निराशाजनक है, और वह यह है।

हमारे पास एक भी फ़ारसी शिलालेख नहीं है। शून्य। फ़ारसी भाषा में हमारे पास एकमात्र दस्तावेज़ एक पहाड़ की दीवार पर स्थित प्रसिद्ध बेहिस्टुन शिलालेख है।

तो, हम जो करने के लिए मजबूर हैं वह उन लोगों के एक समूह के बारे में बात करना है जिन्होंने सैकड़ों वर्षों तक शासन किया और 200 से अधिक वर्षों तक दुनिया के इतिहास में अग्रणी शक्ति रहे, लेकिन हमारे पास उनके बारे में बात करने के लिए कोई दस्तावेज़ नहीं है। तो, इसका मतलब यह है कि हम बड़े पैमाने पर ग्रीक सामग्री पर भरोसा करने के लिए मजबूर हैं, और इसलिए मैं आपको यह बताकर अपने दर्शकों को सावधान करता हूँ, हमारे पास फ़ारसी परिप्रेक्ष्य से सामग्री नहीं है। हमारे पास जो कुछ है वह यूनानियों से है।

इसलिए, जैसा कि हम इन 200 वर्षों को देखते हैं, जब तक हमें बाइबल से जानकारी नहीं मिलती, हमारे पास कोई जानकारी नहीं है। अब, निःसंदेह, वहाँ हमेशा कलात्मक जानकारी, मिट्टी के बर्तनों का विश्लेषण, साइट स्टैटिग्राफी और इस तरह की चीज़ें होती हैं। लेकिन जो चीज़ हम खो रहे हैं वह फ़ारसी इतिहास है जिसे हम बहुत पसंद करते हैं।

तो आगे बढ़ने से पहले मैं आपको एक बात बताना चाहूंगा क्योंकि लगभग सभी किताबें, जब तक आप किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं पढ़ रहे हैं जो एक सच्चा पेशेवर है, लगभग सभी किताबें ग्रीक परिप्रेक्ष्य से प्रभावित होती हैं, जो अनिवार्य रूप से फ़ारसियों को नापसंद करते थे, और इसलिए हम हमेशा, किसी न किसी स्तर पर, ठीक है, मैं रुकना चाहता हूँ, हम हमेशा, किसी न किसी स्तर पर, जो कुछ हुआ उस पर एक प्रकार का तिरछा, यदि पूरी तरह से विकृत दृष्टिकोण नहीं होता है। यूनानी लोग फ़ारसियों से नफरत करते थे, और इसलिए हमारे पास जो जानकारी है वह हमेशा यूनानी दृष्टिकोण से भिन्न होती है। इसलिए हमारे लिए फ़ारसी साम्राज्य के बारे में बात करना बहुत कठिन हो जाता है क्योंकि हमारे पास वास्तव में कोई फ़ारसी ऐतिहासिक स्रोत नहीं है।

तो, ऐसा कहने के बाद, हम आपको बताना चाहते हैं कि मैं कभी-कभी ग्रीक स्रोतों से असहमत हो जाऊंगा, लेकिन ऐसा करते हुए भी, मेरी असहमति अधिक सहज है। मैं भरने के लिए किसी भी जानकारी के बिना एक शून्य को भर रहा हूँ। ऐसा कहने के बाद, और उस बिंदु को स्पष्ट करने के बाद, साइरस ने दो जनजातियों को एकजुट किया और फिर, कुछ समय में, अपने सैन्य करियर की शुरुआत की।

उसने अपना ध्यान पश्चिम की महान शक्ति की ओर लगाया, जो लिडिया थी। इसलिए, यदि हम यह देखना चाहते हैं कि लिडिया कहाँ थी, तो आइए नव-बेबीलोनियन पर वापस जाएँ, और मैं आपको दिखा सकता हूँ; यहाँ लिडियन साम्राज्य की एक तस्वीर है। क्या आप इस हरे-भरे क्षेत्र को देखते हैं जिसमें पश्चिमी और उत्तरी अनातोलिया शामिल हैं? वह महान लिडियन साम्राज्य था, और हम 100% भी निश्चित नहीं हैं कि यह घटनाओं का क्रम है, लेकिन किसी समय, साइरस ने अपना ध्यान लिडिया को जीतने की ओर लगाया।

लिडिया और अनातोलिया के बीच की सीमा हलास नदी थी, और इसलिए साइरस ने हमला किया और राजा क्रोएसस ने उसे खदेड़ दिया। इसलिए, अपनी जीत के बाद, कूज़स हलास के पश्चिमी हिस्से में वापस चला गया, और उसे उम्मीद थी कि साइरस भी वही काम करेगा। आखिरकार, यदि आप सर्दियों में अनातोलियन पठार पर पकड़े जाते हैं, तो यह आपके विनाश का कारण बन सकता है।

इसलिए, वह पीछे हट गया, और उसे उम्मीद थी कि साइरस भी ऐसा ही करेगा, लेकिन साइरस ने लिडियन राजधानी, सार्डिस पर कब्जा करके उसे आश्चर्यचकित कर दिया, जिसे उसने तुरंत एक नया क्षत्रप बना दिया। अब क्षत्रप शब्द हमारे लिए एक नया शब्द है। यह एक फ़ारसी शब्द है, और यह एक प्रकार की राजनीतिक सीमा या पहचान, अमेरिका में एक राज्य या उसके जैसा कुछ, या एक स्वतंत्र राष्ट्र का वर्णन करने वाला शब्द है।

इसलिए, उसने मेसोपोटामिया के पूरे जहाज़ पर नियंत्रण कर लिया क्योंकि उसने लिडिया को नियंत्रित कर लिया था। अब, आपको यह दिखाने के लिए कि जानकारी के पूर्ण अभाव का हमें क्या सामना करना पड़ता है, मेरे वाक्य को देखें। लिडियन अभियान से कुछ समय पहले या बाद में, उन्होंने अपना ध्यान पूर्व की ओर लगाया।

हम निश्चित रूप से यह भी नहीं कह सकते कि साइरस ने लिडिया से पहले या बाद में पूर्व पर हमला किया था। हमारे पास वह जानकारी ही नहीं है। लेकिन वह मुड़ गया और उसने पूर्व में सिंधु नदी तक विजय प्राप्त कर ली।

यदि यूनानी इतिहासकार जेनोफोन सही है। तो यहाँ एक ऐसा व्यक्ति है जो सिंधु नदी के बेसिन से लेकर एजियन सागर के द्वीपों तक सब कुछ जीतने में सफल रहा, और हम वास्तव में यह नहीं बता सकते कि उसने ऐसा कब और कैसे किया। तो, हम जो कह सकते हैं वह यह है कि साइरस की नाटकीय विजय ने दुनिया को इतना बदल दिया, जितना विश्व इतिहास में इस बिंदु तक किसी अन्य व्यक्ति ने नहीं बदला।

जिस मोनोलिथ ने नेबोनिडस का सामना किया वह शायद बेबीलोनियों के समय से चला आ रहा था। इसलिए, आश्चर्य की बात नहीं कि बेबीलोनियों ने कुसू को अपने राजा के रूप में स्वागत करने के लिए द्वार खोल दिए। अब, यहां हमें कुछ फायदे हैं।

यह कहना हमेशा आसान नहीं होता कि कितना, लेकिन हमारे पास बाइबल में साइरस का दृष्टिकोण है। साइरस बाइबिल में केवल दो लोगों में से एक है जिनका नाम उनके जीवित होने से पहले ही रखा गया है। यशायाह ने उसका नाम लेकर उल्लेख किया है, और निस्संदेह, यशायाह हिजकिय्याह के समय से था, जो साइरस के जन्म से सदियों पहले हुआ होगा।

तो, इससे यशायाह पर एक आलोचनात्मक दृष्टिकोण सामने आया है जो कहता है कि वास्तव में दो यशायाह थे। यशायाह जिसने अध्याय 1 से 39 तक लिखा, और फिर विद्वान दूसरे यशायाह का उल्लेख करते हैं, यशायाह जो अध्याय 40 से 56 में सन्निहित है, और कई महत्वपूर्ण विद्वान टिटो-यशायाह को मानते हैं, यानी, तीसरा यशायाह जिसने 56 से 56 तक लिखा 66. तो हममें से जो

यशायाह को एकमात्र लेखक मानते हैं, तो हम कहेंगे कि कुसू को इसलिए जाना जाता है क्योंकि परमेश्वर ने उसके नाम की भविष्यवाणी की थी।

किसी भी दर पर, एक बाइबिलवादी दृष्टिकोण से, सुनिए कि यशायाह ने साइरस के बारे में क्या लिखा है। मैं ही कुसू के विषय में कहता हूँ, वह मेरा चरवाहा है, और मेरी सारी इच्छा पूरी करेगा। और वह यरूशलेम के विषय में कहता है, वह बनाई जाएगी, और मन्दिर की नींव डाली जाएगी।

यहोवा अपने अभिषिक्त कुसू से यों कहता है, जिसे मैं ने दाहिने हाथ से इसलिये लिया है, कि जाति जाति को उसके साम्हने वश में कर दूँ, और राजाओं की कमर खोकर उसके साम्हने द्वार खोल दूँ, और फाटक बन्द न हों। यह संभवतः बेबीलोन के पतन का संदर्भ है। मैं तेरे आगे आगे चलूँगा, और उबड़-खाबड़ स्थानों को समतल कर दूँगा।

मैं पीतल के किवाड़ों को चकनाचूर कर दूँगा, और उनके लोहे के बेड़ों को काट डालूँगा। मैं तुम्हें अंधकार का खजाना और गुप्त स्थानों का छिपा हुआ धन दूँगा ताकि तुम जान लो कि यह मैं, येपेत, इस्राएल का परमेश्वर हूँ जो तुम्हें तुम्हारे नाम से बुलाता है। यह एक ऐसे राजा का अभूतपूर्व, अद्भुत संदर्भ है जिसे अभी सदियां बाकी हैं।

इसलिए, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि हमारे आलोचक मित्र यह तर्क देंगे कि यह यशायाह की नहीं बल्कि दो शताब्दियों बाद किसी अन्य लेखक की है। बाइबल में साइरस की तस्वीर समान रूप से सकारात्मक है, और साइरस ने जो तस्वीर हमारे लिए छोड़ी है वह भी समान रूप से सकारात्मक है।

दुर्भाग्य से, हमारे पास उस चित्र के अनुरूप कोई फ़ारसी अभिलेख नहीं है। तो, हम शून्य से बोलते हैं। बाइबिल के दृष्टिकोण से या मानवीय दृष्टिकोण से, यह देखना आसान है कि भगवान ने अपनी इच्छा पूरी करने के लिए इस व्यक्ति को क्यों चुना।

वह निर्विवाद प्रतिभा और साहस का व्यक्ति था और सिकंदर में कोई कमियां नहीं थीं। उनकी नीतियां शायद उनकी सफलताओं को उतना ही स्पष्ट करती हैं जितनी किसी भी अन्य चीज़ को। इतिहास ने हमें बताया है कि साइरस पहले मानवतावादी थे।

साइरस सिलेंडर संयुक्त राष्ट्र में पहले मानवतावादी राजा के उदाहरण के रूप में मौजूद है, पहला राजा जिसने एकजुट दुनिया का सपना देखा था जिसमें मानवाधिकार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए, साइरस की ये नीतियां, यदि सटीक हैं, तो उन्हें दुनिया का पहला मानवतावादी चित्रित करती हैं। तो, मेरे पास आपके लिए चार बिंदु हैं।

यदि आप इन्हें लिखना चाहेंगे, तो यह आप पर निर्भर है। आपके पास टेप है इसलिए आपको इन्हें लिखने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन चार बिंदु इस प्रकार हैं।

अपने पूर्ववर्तियों के विपरीत, साइरस ने स्थानीय धर्मों की भलाई को प्रोत्साहित किया। दूसरे शब्दों में, बेबीलोनियों और कुछ हद तक अशूरियों के विपरीत, साइरस ने स्थानीय धर्म को बढ़ावा दिया। ऐसा शायद इसलिए हुआ क्योंकि इतिहास के पन्नों में फारस के लोग नौसिखिया थे।

ऐसा नहीं है कि उनकी कोई धार्मिक परंपरा तीसरी सहस्राब्दी तक चली आई हो। तो, शायद यह बताता है कि वे अपनी दुनिया के धार्मिक पंथों के प्रति अधिक खुले क्यों थे। लेकिन साइरस एक ऐसे राजा के रूप में जाने जाते थे जिन्होंने स्थानीय धर्मों को प्रोत्साहित किया।

दूसरे, कुसू भी एक ऐसा राजा था जो विजित शत्रुओं के प्रति नियमित रूप से उदारता दिखाता था। अब, आप जो मेरे साथ थे, हमने असीरियन व्यवहार की ग्राफिक, घबराहट भरी, भयावह तस्वीरें देखीं। कल्पना करने का प्रयास करें कि साइरस पेंडुलम के दूसरी तरफ था।

उसने नियमित रूप से उन शत्रुओं के प्रति उदारता दिखाई जिन पर उसने विजय प्राप्त की थी ताकि क्रेटेशियस को साइरस द्वारा उसे पराजित करने के बाद भी अपने देश में शासन जारी रखने की अनुमति मिल सके। इस उदारता ने निश्चित रूप से उन लोगों की वफादारी जीत ली जिन पर साइरस ने विजय प्राप्त की थी। उन्होंने न केवल उदारता दिखाई, बल्कि विजित शक्तियों को स्वायत्तता प्रदान की।

कहने का तात्पर्य यह है कि, जब तक वे फारसियों के प्रति वफादार रहने के इच्छुक थे, वह उन्हें स्व-शासन का अवसर प्रदान करेगा। उदारता और स्वायत्तता के बीच, फारसी राजा के ये दो कार्य फारसियों के बिल्कुल विपरीत नहीं हो सकते थे, चाहे हमने कुछ भी प्रस्तावित किया हो। यह बिल्कुल उल्लेखनीय है।

इसने साइरस के युग की अंतर्राष्ट्रीय दुनिया में एक अलग जीवन की सांस ली। तीसरा, साइरस ने इन लोगों को, जिन्हें अशूरियों और बेबीलोनियों द्वारा निर्वासित किया गया था, अपने वतन लौटने के अवसर के लिए प्रोत्साहित और समर्थन किया। दूसरे शब्दों में, उन्होंने एक मानवतावादी दुनिया की कल्पना की जिसमें उन्होंने लोगों पर विजय प्राप्त की।

क्या आपको याद है कि मैंने बताया था कि अशूरियों ने लगभग साढ़े चार लाख लोगों को निर्वासित कर दिया था? और हम यह नहीं कह सकते, मुझे ऐसे किसी आँकड़े की जानकारी नहीं है जो मैंने कभी देखा हो कि बेबीलोनियों ने कितने लोगों पर आक्रमण किया, लेकिन कोई अनुमान लगा सकता है कि इसने कुल संख्या को पाँच मिलियन से अधिक कर दिया है। खैर, ये वे लोग हैं, जिनमें से कई लोग अपने नए क्षेत्रों में शामिल हो गए थे, लेकिन ये वे लोग थे जिनके बारे में साइरस ने सोचा था कि अगर वे चाहें तो उन्हें अपने वतन जाने में सक्षम होना चाहिए। निःसंदेह, इसका बेबीलोन के यहूदियों पर आश्चर्यजनक प्रभाव पड़ा क्योंकि कुसू ने एक आदेश जारी कर कहा कि वे यरूशलेम लौट सकते हैं।

अद्भुत। आखिरकार, साइरस दुनिया के पहले प्रभावी श्वेत प्रचारक थे। ठीक है, आज की दुनिया में, जब मैं श्वेत प्रचारक कहता हूँ, तो ऐसा लगेगा जैसे मैं नस्लवादी की तरह बात कर रहा हूँ।

मैं वास्तव में जो कर रहा हूँ वह दो विशेषणों पर विचार कर रहा है जिनका उपयोग प्रचारक प्रचार की प्रकृति का वर्णन करने के लिए करते हैं। श्वेत प्रचार एक शब्द है जिसका प्रयोग सौम्य, सकारात्मक प्रचार के लिए किया जाता है। काला प्रचार एक विशेषण है जिसका उपयोग भयानक, नकारात्मक प्रचार के लिए किया जाता है।

इस बिंदु तक, आप कह सकते हैं कि अशूरियों ने दुनिया के इतिहास में अन्य लोगों की तरह काले प्रचार का इस्तेमाल किया। साइरस पहले राजा थे जिन्होंने श्वेत प्रचार के मूल्य की कल्पना की, यानी खुद को एक विजेता के रूप में प्रस्तुत नहीं किया, जो कि वह वास्तव में था, लेकिन उन्होंने सफलतापूर्वक खुद को एक मुक्तिदाता के रूप में प्रस्तुत किया। यदि हम यूनानी साहित्य को सही ढंग से पढ़ें, या मुझे कहना चाहिए कि यदि यूनानियों ने इसे सही ढंग से लिखा है, तो साइरस पूरे प्राचीन विश्व का सबसे अद्भुत राजा था।

पहले मानवतावादी, पहले स्वतंत्रतावादी, धार्मिक स्वतंत्रता की कल्पना करने वाले पहले व्यक्ति और मानवीय गरिमा को पहचानने वाले पहले व्यक्ति, साइरस प्राचीन काल के सबसे अद्वितीय राजा के रूप में सामने आते हैं। अब सवाल ये है कि वो तस्वीर सही है या नहीं। साइरस ने जो तस्वीर प्रस्तुत की थी, उसे यूनानियों ने उठाया था, और उनके लिए साइरस को मानवतावादी के रूप में स्वीकार करना सुविधाजनक था क्योंकि यूनानी इसे फारसियों के खिलाफ रिवर्स प्रचार के रूप में उपयोग कर सकते थे।

क्योंकि जब साइरस की मृत्यु हुई, लगभग तुरंत, यूनानियों के अनुसार, एक नाटकीय बदलाव आया, उस तरह के मानवतावादी विश्व दृष्टिकोण से उग्र राष्ट्रवाद के अधिक शास्त्रीय दृष्टिकोण में एक नाटकीय बदलाव आया। तो, यूनानियों ने साइरस को ऐसे तरीकों से प्रस्तुत किया होगा जो वास्तविक के बजाय आदर्श थे। मैंने पिछली बार एक व्यक्ति, किसी न किसी परिणाम के विद्वान, का एक लेख पढ़ा था, जो कह रहा था कि साइरस ने वास्तव में खुद का वर्णन करने के लिए फार्मूलाबद्ध भाषा का इस्तेमाल किया था और इसे शाब्दिक रूप से नहीं पढ़ा जाना चाहिए।

तो, कौन जानता है? मैं बाइबिल की तस्वीर से प्रभावित हूँ क्योंकि, मेरे सोचने के तरीके में, अगर बाइबिल उसे भगवान के चरवाहे के रूप में वर्णित करती है और सकारात्मक शब्दों में उसका वर्णन करती है, तो यह एक सटीक तस्वीर है कि वह कौन था। इसलिए, हमारे पास साइरस और अशुर्नसीरपाल की तुलना में राजाओं के व्यवहार के लिए अधिक विपरीत नहीं हो सकता है। इससे फ़ारसी इतिहास बनाने का आनंद लेना आसान हो जाता है।

आश्चर्यजनक, साइरस काकेशस क्षेत्र में मसगेटी के खिलाफ लड़ते हुए मर गया, जो दुनिया के अब तक के सबसे सफल योद्धा के लिए एक उपयुक्त अंत था। मैं एक उचित अंत कह रहा हूँ क्योंकि मैं सिकंदर के अंत के बारे में सोचता हूँ। बेबीलोन में एक बिस्तर पर किसी प्रकार के टूटेपन के कारण सिकंदर की मृत्यु हो गई। शायद अपव्यय जीवन ने उसके शरीर पर अपना प्रभाव खो दिया था।

साइरस एक योद्धा की मौत मरा। यह लगभग वैसा ही है जैसे वह सत्ता के प्रभाव से बच गया हो, और उसने एक अज्ञात पहाड़ी जनजाति के खिलाफ अपने सैनिकों का नेतृत्व करते हुए मरने का फैसला किया। उनके सैनिक उनके शव को काकेशस से वापस ईरानी पठार तक ले गए, और वहाँ उनका स्मारक आज भी मौजूद है।

शरीर चला गया है, गंभीर सामान चला गया है, लेकिन स्मारक सबसे महान इंसानों में से एक की मूक लेकिन वाक्पटु गवाही के रूप में मौजूद है, जो शायद कभी भी जीवित रहा हो। और

इसलिए, जब हम इतिहास के पत्रों को देखते हैं तो साइरस एक चमकती रोशनी के रूप में सामने आते हैं, जो इतिहास में पहली बार मानवता को एक क्रूर, क्रूर शक्ति के बजाय एक वैकल्पिक दिशा प्रदान करता है; साइरस महान का यह उदाहरण था। खैर, उनके बेटे कैंबेस के साथ ऐसा मामला नहीं हो सकता है।

अपने शुरुआती पैराग्राफ में, मैं आपको सुझाव देता हूँ कि उनके शासनकाल का विश्लेषण करना बेहद कठिन है क्योंकि उनके बारे में सारा लिखित इतिहास ग्रीक है। यूनानी केवल अतिशयोक्ति के प्रति प्रवृत्त नहीं थे; वे अतिशयोक्तिपूर्ण थे, और फारसियों के प्रति उनकी नफरत निश्चित रूप से एक विषम दृष्टिकोण लेकर आई, जैसा कि उनके साहित्य में प्रमाणित है। तो, यहां बताया गया है कि मैं आपको कैंबेस की दो अलग-अलग समझ कैसे दिखा सकता हूँ जो बिल्कुल अलग हैं, लेकिन हमारे पास निश्चित रूप से जानने का कोई तरीका नहीं है।

तो जाहिर है, कैंबेस ने मिस्र पर आक्रमण के लिए लंबी तैयारी की थी। अपने पांचवें वर्ष में, उसने मिस्र पर आक्रमण किया और राजा के साथ-साथ मेम्फिस पर भी कब्जा करने में तुरंत सफल हो गया। ऐसा प्रतीत होता है कि यह कुछ हद तक मिस्र के भाड़े के एक यूनानी जनरल के दलबदल के कारण हुआ था और इसलिए यहां हमारे पास एक यूनानी जनरल का मामला है जिसे मिस्रियों द्वारा काम पर रखा गया था जो कैंबेस से अलग हो गया और मिस्र की सुरक्षा का खुलासा किया।

यूनानियों के अनुसार, सबसे पहले, साइरस की नीतियां उनके पिता की नीतियों की तरह थीं। उन्होंने मिस्रवासियों को देवता देकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की, एक मिस्री को देश के प्रशासन का प्रभारी नियुक्त किया और मिस्र के लोगों के हित में सुधारों का आदेश दिया। अब आप मुझे रुकते हुए सुन रहे हैं क्योंकि यूनानियों ने कैंबेस को पागल के रूप में चित्रित किया था, और इसलिए कैंबेस ने पश्चिम में एक शाही अभियान चलाया, और पहली इकाई जिसे उन्होंने पश्चिम में जीतने की कोशिश की वह लीबिया थी, ठीक है, मिस्र, क्षमा करें।

यह स्वतः ही यूनानियों के लिए खतरा था। यदि वह यहां पश्चिम की ओर नीचे आ सकता है, तो इसका मतलब है कि वह यहां पश्चिम की ओर ऊपर आ सकता है। इसलिए, यह प्रशंसनीय है कि यूनानियों के हित में कैंबेस को एक मुक्तिदाता के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय एक मुक्तिदाता के रूप में प्रस्तुत करना था जैसा कि साइरस चित्रित करना चाहते थे।

फिर, पाठ हमें बताता है, इथियोपिया को जीतने के अपने अभियान के बाद, जो सफल रहा, मुझे खेद है कि मुझे यह पहले करना चाहिए था, इथियोपिया दक्षिण का क्षेत्र है। यह बहुत भ्रामक है क्योंकि आज के मानचित्र में, मिस्र के ठीक दक्षिण का क्षेत्र सूडान है, और फिर सूडान से कई सौ मील दक्षिण में इथियोपिया है। लेकिन प्राचीन काल में, इथियोपिया मिस्र के ठीक दक्षिण में था।

इसलिए, कैंबेस ने दक्षिण पर आक्रमण किया लेकिन सफल नहीं रहा। अब, मैं कैंबेस की एक वैकल्पिक तस्वीर पेश करने की कोशिश करने जा रहा हूँ जो बताती है कि शायद वह पागल नहीं था। आखिरकार, हम प्रशंसनीय रूप से उत्तर दे सकते हैं कि उसने दक्षिण पर आक्रमण क्यों किया।

उसने दक्षिण पर आक्रमण किया क्योंकि मिस्र की सारी सोने की आपूर्ति दक्षिण से आती थी, इथियोपिया से जिसे नूबिया भी कहा जाता है। इसलिए, यह तर्क देना उचित है कि सोने के भंडार तक असीमित पहुंच पाने के लिए कैंबिस ने दक्षिण पर आक्रमण किया। वह पहला मिस्र का फिरौन नहीं था जो दक्षिण को जीतने में सफल नहीं हुआ।

नील नदी से इथियोपिया तक सेना ले जाना बहुत कठिन था। इसलिए, वह दक्षिण में असफल रहा, और फिर, इन घटनाओं का वर्णन करने की यूनानी परंपरा में, तभी उसकी परेशानियाँ शुरू हुईं। हेरोडोटस, क्या मैं आपको याद दिला दूँ, एक यूनानी इतिहासकार था जिसने दावा किया था कि वह पवित्र बीमारी से पीड़ित था।

अब, पवित्र बीमारी प्राचीन निवासियों का यह अवलोकन था कि प्राचीन काल में इतने सारे राजाओं के साथ क्या हुआ था जिन्होंने अपनी बहनों से शादी की थी। राजाओं के लिए अपनी बहनों से शादी करना और इस तरह राजा के रूप में अपने लिए दोहरा वैध दावा बनाना एक अपेक्षाकृत सामान्य बात बन गई। तो, आप परिवार के बाहर की महिला से शादी नहीं कर रहे हैं। आप परिवार के भीतर शादी कर रहे हैं, जिससे विरोध का खतरा कम हो जाता है।

दुर्भाग्य से, जैसा कि आप और मैं जानते हैं, आनुवंशिकी के आधुनिक अध्ययन के कारण, जब आप अपनी जैविक रेखा के भीतर विवाह करते हैं, तो आनुवंशिक समस्याएं उत्पन्न होती हैं। पूर्वजों ने इसकी व्याख्या वैसे ही की जैसे वे बाकी सब कुछ धार्मिक रूप से करते थे। इसलिए, उन्होंने सोचा कि यह एक पवित्र बीमारी है जिससे किसी तरह देवता उन्हें पीड़ित कर रहे हैं, और इसलिए उन्होंने कैंबिस की समस्याओं को दोषी ठहराया क्योंकि वह पागल था।

खैर, शायद वह था। शायद वह अनाचारपूर्ण मिलन का परिणाम था। लेकिन हमें याद दिलाना चाहिए कि यूनानियों के पास कैंबिस को नापसंद करने के अच्छे कारण हैं।

वह उस शानदार साम्राज्य से संतुष्ट नहीं है जो उसके पिता ने उसे दिया था। वह इसे बड़ा बनाना चाहता है। इसलिए, हेरोडोटस के अनुसार, उसने मेम्फिस में एप्सिस के पवित्र बैल को मार डाला, साथ ही अपनी बहन-पत्नी, रौक्सैन की हत्या सहित अन्य विचित्र कार्यों को अंजाम दिया।

अब, शायद ये परंपराएँ वास्तविक हैं। हो सकता है कि कैंबिस के बारे में ये परंपराएँ मनगढ़ंत हों। लेकिन उसके व्यवहार को पूरी तरह से समझना संभव है।

पूरी दुनिया को जीतने की एक भव्य रणनीतिक योजना के हिस्से के रूप में उनके सैन्य प्रयासों की व्याख्या करना संभव है। दक्षिण में इथियोपिया पर विजय प्राप्त करके, वह सोने की आपूर्ति सुरक्षित कर रहा था। पश्चिम पर विजय प्राप्त करके, वह अच्छी तरह से एक ऐसी योजना की कल्पना कर सकता था जिसमें वह वास्तव में, पूरी दुनिया को फारसी शक्ति के तहत एकजुट कर रहा था।

वह अपनी सेना को पश्चिम की ओर ले जाता है। वे पश्चिम की चीजों के बारे में जानते थे। और मैं प्रशंसनीय शब्द पर जोर देना चाहता हूँ क्योंकि यह सैद्धांतिक है।

यह पूरी तरह से प्रशंसनीय है कि वह पूरे उत्तरी अफ्रीका को अपने नियंत्रण में लाने के लिए अपनी सेनाओं को आगे बढ़ा रहा होगा। आखिरकार, कार्थेज के रूप में यहाँ महान राजनीतिक शक्तियाँ उभर रही थीं। और इसलिए, यह प्रशंसनीय है कि वह बिल्कुल अच्छे कारणों से दक्षिण और फिर पश्चिम गया, किसी भी पागलपन से बिल्कुल अलग।

इसलिए, मुझे यकीन है कि अगर आप ध्यान से सुन रहे हैं तो आप बता सकते हैं कि यूनानियों ने फारसियों के बारे में जो कुछ भी कहा है, उसके बारे में मुझे स्वचालित रूप से संदेह है। तो, मेरी ओर से, वह पागल हो सकता है या नहीं, लेकिन पाठ हमें बताता है कि वह कठिन समय में आया था। सबसे पहले, वह इथियोपिया में हार गया, या इथियोपिया में असफल हो गया, इसे कहने के लिए बेहतर शब्द होगा।

फिर, वह पश्चिम में असफल रहा। उसने अपनी सेना को पश्चिम की ओर विशाल सहारा रेगिस्तान की ओर मार्च किया, और वहाँ, 50,000 लोगों की सेना एक भयानक रेगिस्तानी तूफान में नष्ट हो गई। अब, हम अनिश्चित हैं कि उसने सेना को बाहर क्यों निकाला।

इस क्षेत्र में शिव नामक स्थान पर एक नखलिस्तान है, और कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि उसने अपनी सेना को पश्चिम की ओर मार्च किया ताकि वह स्वयं को दिव्य बना सके। शिव वह स्थान था जहाँ मिस्र के फिरोन अगले अमुन-री देवता के रूप में अवतरित होने के लिए गए थे। कुछ लोगों ने यह तर्क देने की कोशिश की है कि उसने दैवीय बनने के लिए अपनी सेना को शिव के पास भेजा था।

मुझे ऐसा लगता है कि बेहतर स्पष्टीकरण यह है कि उसने किरिनिया, या लीबिया को जीतने के लिए अपनी सेना को आगे बढ़ाया, क्योंकि यह बेहतर ज्ञात होगा। यूनानियों के लिए, उसने अपने पागलपन के कारण अपनी सेना को रेगिस्तान में भेज दिया। दुःख की बात है कि सेना नष्ट हो गई।

यह सेना 2,500 वर्षों तक गायब रही। पिछले कई दशकों में, या शायद अब तीन दशकों में, जब से समय मुझसे दूर हुआ है, इस सेना के अवशेष वास्तव में मिस्र के रेगिस्तान में पाए गए हैं। इसलिए, इसे ध्यान में रखते हुए, कैंबिस के पास अपने कदम पीछे खींचने और मिस्र छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं था क्योंकि वह अपने प्रमुख प्रयासों में विफल हो गया था।

और इसलिए, यह अत्यधिक भ्रम के अंतिम पैराग्राफ की ओर ले जाता है। कैंबिस ने फारस वापस जाना शुरू कर दिया, लेकिन उसने सुना कि उसके भाई सिमर्दिस, बर्दिया ने अपने भाई की अनुपस्थिति में खुद को फारस का राजा घोषित कर दिया था। इसलिए, वह अपने लिए सिंहासन सुरक्षित करने के लिए लौट आया।

अब, इसमें प्रशंसनीयता का एक संभावित स्तर है क्योंकि कैंबिस सिंहासन के लिए बिल्कुल नया था और क्योंकि फ़ारसी साम्राज्य बिल्कुल नया था, इसलिए बचाव करने के लिए कोई ऐतिहासिक परंपरा नहीं है। तो शायद उसके भाई ने अपने लिए सिंहासन हथिया लिया। हालाँकि, इस सब के बारे में दो राय हैं।

हेरोडोटस के अनुसार, कैंबिस ने गलती से अपनी ही तलवार से खुद को घायल कर लिया था। अब, मैं आपके बारे में नहीं जानता, लेकिन यह मुझे बहुत अविश्वसनीय लगता है। हेरोडोटस ने कहा कि अपने पागलपन में, उसने गलती से खुद को मार डाला और घायल कर लिया और खुद को मारी गई तलवार से उसकी मौत हो गई।

यह मुझे अविश्वसनीय लगता है। लेकिन इससे फ़ारसी इतिहास की सबसे अजीब घटनाओं में से एक हुई। कैंबिस के भाई की मृत्यु के बारे में दो मत हैं, जिसका नाम सिमरडिस था।

एक का कहना है कि फारस छोड़ने से पहले कैंबिस ने उसे मार डाला था, लेकिन उसकी मौत को गुप्त रखा। दूसरा यह है कि एक छद्म- सेर्मिडिस, जिसका असली नाम गौमाता था, ने कैंबिस के भाई सेर्मिडिस को मार डाला, और फिर खुद को असली सेर्मिडिस के रूप में प्रस्तुत किया। खैर, जाहिर है, हम ग्रीक साहित्य पढ़ रहे हैं।

जो कुछ हुआ उसकी सच्चाई हम कभी नहीं जान पाएंगे। लेकिन जो निश्चित रूप से हुआ वह यह था। कैंबिस मर चुका था।

या तो स्मरडिस या छद्म- समेरडिस फारस के सिंहासन पर था, और हम वहां हैं। तो, इन पूरी तरह से विचित्र कार्यों के परिणामस्वरूप, दुनिया एक रणनीतिक और घबराहट पैदा करने वाली घटना में प्रवेश कर गई है, और वह फारस के सिंहासन के लिए लड़ाई है, जो हमें फारसियों के लिए डेरियस के व्यक्तित्व की ओर ले जाती है। डेरियस साइरस का प्रत्यक्ष वंशज नहीं था, बल्कि शाही अचमेनिद वंश का था।

तो, साइरस, डेरियस, क्षमा करें, अपने लिए सिंहासन लेने के लिए अभियान शुरू करता है। लगभग चार महीनों में, वह छद्म सामेरडिस को हराने और मारने में कामयाब हो जाता है, जब तक कि वह असली सामेरडिस न हो, हम नहीं जानते। कुल मिलाकर, उसने सभी 23 क्षेत्रों पर दावा करने के लिए नौ अलग-अलग राजाओं को हराया।

यह स्मारकीय प्रयास प्रसिद्ध बेहिस्टुन शिलालेख पर दर्ज किया गया था, जो अक्कादियन, एलामाइट और पुरानी फ़ारसी में लिखा गया था। यह उपलब्ध कुछ फ़ारसी ऐतिहासिक दस्तावेज़ों में से एक है। वास्तव में, यह किसी भी आकार का एकमात्र है।

तो, इसे जॉर्ज रॉलिसन द्वारा समझा गया, जिन्होंने इंडो-यूरोपीय भाषा के साथ पुरानी फ़ारसी की समानता के माध्यम से ऐसा किया और इस तरह अक्कादियन को पढ़ने में सक्षम होने का द्वार खोलने में मदद की। इसलिए, डेरियस राजा बन गया, और डेरियस यूनानियों के साथ युद्ध में समाप्त हो गया। और इसलिए, यूनानियों और फारसियों के बीच युद्ध की यह घटना एक शताब्दी के अधिकांश भाग के लिए फारसी इतिहास पर कब्जा करने वाली थी।

अब, याद रखें कि जो दस्तावेज़ हम पढ़ रहे हैं वे ग्रीक परिप्रेक्ष्य से दस्तावेज़ हैं। इसलिए, उन्होंने डेरियस को एक सैन्य शिकारी के रूप में चित्रित किया, लेकिन वास्तव में, पश्चिम में फ़ारसी हस्तक्षेप के लिए एक प्रशंसनीय व्याख्या की जा सकती है, और ऐसा इसलिए है क्योंकि यूनानी

फारसियों से घबराए हुए थे। और इसलिए, उन्होंने अनातोलिया के पश्चिमी तट पर इन ग्रीक भाषी आयोनियन शहर-राज्यों के साथ हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया।

तो, आइए मैं आपके लिए मंच तैयार करूं, क्योंकि आपको स्वचालित रूप से इसका ज्ञान नहीं होगा। इतिहास में इस समय तक, पश्चिमी तट के साथ का यह पूरा क्षेत्र भ्रमणशील यूनानियों से आबाद था, और ग्रीक इस क्षेत्र की भाषा थी। वे स्वयं को यूनानी के रूप में देखते थे, भले ही यहाँ के लोग उन्हें उससे कुछ कमतर के रूप में देखते थे। इसलिए, इस क्षेत्र को इओनिया कहा जाने लगा, और इसलिए यहां के यूनानियों ने इन इओनियन शहर-राज्यों के बीच विद्रोह भड़काना शुरू कर दिया।

मुझे संदेह है कि इसी कारण डेरियस का ध्यान पश्चिम की ओर गया। आखिरकार, कैंबिस की मूल योजना शायद एक बेहतर योजना थी। फारसियों के पास नौसेना नहीं थी।

बेहतर योजना यह थी कि कैंबिस ने जो किया होगा उसे जारी रखा जाए, यानी उत्तरी अफ्रीका के साथ मार्च किया जाए। लेकिन इसके बजाय, शायद फ़ारसी मामलों में यूनानी हस्तक्षेप के कारण, डेरियस ने आक्रमण करने का फैसला किया। हम ग्रीक शब्द का उपयोग सामान्य अर्थ में करने जा रहे हैं। इस समय ग्रीस शहर-राज्यों में विभाजित था, और इसलिए उसने उस क्षेत्र पर आक्रमण किया जिसे हम ग्रीक कहते हैं, हालांकि जरूरी नहीं कि यह उस क्षेत्र का नाम हो जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं।

मुझे यह प्रशंसनीय लगता है कि डेरियस ने यूनानी हस्तक्षेप के कारण आक्रमण किया। जिसे हम ग्रीस कहते हैं उसमें पर्याप्त धन नहीं था जिससे ग्रीस पर एक कठिन और शायद महंगे आक्रमण को उचित ठहराया जा सके। इसलिए, डेरियस की सेना हेलस्पोंट को पार कर ट्रेचा के क्षेत्र में प्रवेश करती है, और वहां उन्होंने शुरुआती जीत हासिल की, इन आयोनियन शहरों को दबा दिया, कुछ ग्रीक शहरों के साथ ट्रेचा और मैसेडोनिया पर कब्जा कर लिया, और अपनी किराए की नौसेना, साइप्रस के माध्यम से।

लेकिन फिर हार की एक श्रृंखला शुरू होती है, आप जानते हैं, चूंकि मैं आस्तिक हूं, यानी मेरा मानना है कि भगवान इतिहास की घटनाओं को नियंत्रित करते हैं, तो यह लगभग ऐसा है जैसे कि भगवान का हाथ हार की व्यवस्था करने के लिए घटनाओं को व्यवस्थित करता है यह महाशक्ति यहाँ की इस बहुत छोटी राजनीतिक इकाई के विरुद्ध है। तो, जो भी मामला हो, अंततः यूनानी जीत गए, या शायद फारसवासी हार गए। हालाँकि हम इसे समझाते हैं, यह स्टेरॉयड पर डेविड और गोलियथ जैसा दिखता है।

तो, पहली तबाही जो घटित होती दिख रही है वह यह है कि फ़ारसी बेड़े का एक हिस्सा माउंट एथोस के पास, जो एथेंस से बहुत दूर नहीं है, एक भयंकर तूफान में खो गया है। फिर, मैराथन में, डेरियस की सेनाएँ दक्षिण की ओर बढ़ती हैं, और यूनानी बुरी तरह हार जाते हैं। कुछ लड़ाइयों का ऐसे न्यूनतम सैन्य परिणामों के साथ अधिक राजनीतिक महत्व था।

विशिष्ट यूनानी शैली में, यूनानियों ने मैराथन में सैकड़ों हजारों सैनिकों वाली फ़ारसी सेना की कल्पना करते हुए अतिशयोक्ति की। वास्तव में, फ़ारसी सेना में केवल कुछ सौ, शायद 25,000 सैनिक थे, और उन्होंने लगभग 11,000 की यूनानी सेना के विरुद्ध लड़ाई लड़ी। मैराथन की इस लड़ाई में यूनानियों को अपनी पहली सच्ची सैन्य हार का अनुभव हुआ।

तो, मैंने सोचा कि मेरे पास मैराथन का नक्शा है। मैराथन की इस लड़ाई में हम आपको क्या बता सकते हैं। यदि मैं आपके साथ थोड़ी सी मौज-मस्ती कर सकूँ और कह सकूँ, हम यूनानियों को हमारे लोकतंत्र के पूर्वजों के रूप में देखते हैं।

हम उन्हें देखते हैं, आप जानते हैं, हमारे पास वाशिंगटन, डीसी में ग्रीक वास्तुकला है, यहां लिबर्टी विश्वविद्यालय में मेरे परिसर में, हमारी कई इमारतों में आयोनियन-प्रकार के स्तंभ हैं, पूरी तरह से औपचारिक, लेकिन वे बाहर हैं, ग्रीक संस्कृति की विजय का प्रमाण देते हैं और ग्रीक मॉडल। और इसलिए, हम यूनानियों को नायक के रूप में देखते हैं, और हम फारसियों को बुरे लोगों के रूप में चित्रित करते हैं। और इसलिए, मैं प्राचीन इतिहास पढ़ने वाले किसी भी व्यक्ति को इस परिप्रेक्ष्य के खिलाफ लड़ने के लिए आगाह करूंगा।

सबसे पहले, यह एक कारण से अत्याचार पर लोकतंत्र की विजय नहीं थी: यूनानियों ने अभी तक लोकतंत्र का आविष्कार नहीं किया था। उनके पास एक कुलीनतंत्र जैसा था। ग्रीस में वास्तव में बहुत कम लोगों को ही मतदान करने का अवसर मिला।

आपको अमीर होना था, ज़मीन का मालिक होना था, आपको अंदर जाने के लिए x संख्या में योद्धाओं को प्रायोजित करने में सक्षम होना था। इसलिए, यदि आप अमीर और महत्वपूर्ण थे, तो आपको वोट देना था। यह शायद ही लोकतंत्र था जैसा हम इसके बारे में सोचते हैं।

इसलिए, मैं आप सभी को इसे पतनशील पूर्व पर पश्चिम की विजय के रूप में चित्रित करने की प्रवृत्ति से लड़ने के लिए प्रोत्साहित करूंगा, इस अवधारणा से लड़ने के लिए कि यूनानी अच्छे लोग थे और फारसी विकृत थे। इसे वस्तुतः इसी तरह प्रस्तुत किया जाता है, और मेरे विचार से यह वास्तव में एक खराब इतिहास है। और इसलिए, मैंने मैराथन सुनी है। वास्तव में, मेरे पास फिलहाल कोई कार्यालय नहीं है क्योंकि हम अपने देवत्व विद्यालय के लिए एक नया स्कूल बना रहे हैं।

और इसलिए, मेरी सभी किताबें घर पर हैं, और इसलिए मुझे इस किताब तक पहुंच नहीं है, लेकिन यह एक ऐसी किताब है जिसमें जब मैं कक्षा में इसे पढ़ा रहा होता हूँ, तो मैं किताब लाता हूँ, और मैं कवर पेज पढ़ता हूँ क्योंकि यह इतना बेतुका है, इससे सांसें थम जाती हैं। कवर पेज पर गिरे हुए स्वर्गदूतों के खिलाफ भगवान के रूप में मैराथन की लड़ाई को दर्शाया गया है, आप जानते हैं, काले बनाम सफेद, अच्छे बनाम बुरे। यह बेतुकेपन से कम नहीं है।

यह एक लड़ाई है। यह अच्छे लोगों और बुरे लोगों के बीच की लड़ाई नहीं है। निश्चित रूप से, यह दो विवर्तनिक शक्तियों के बीच की लड़ाई है, जो इतिहास में पहली बार हमारा नेतृत्व कर रही हैं,

इतिहास में पहली बार, जिसे पश्चिम कहा जाएगा और जिसे पूर्व कहा गया है, के बीच की लड़ाई है।

हमेशा से पहले, युद्ध का भूगोल मेरी कलम के दायरे में रहा है। यह हमेशा मध्य पूर्व में रहा है। अब, इतिहास में पहली बार, यहां मैराथन में पूर्व और पश्चिम के बीच एक महत्वपूर्ण लड़ाई लड़ी जा रही है, और इन लड़ाइयों के विजेता के परिणामस्वरूप विश्व शक्ति मध्य पूर्व से पश्चिम में स्थानांतरित हो जाएगी।

यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका मतलब यह है कि पश्चिमी परंपरा की जड़ें ग्रीको-रोमन दुनिया में हैं, न कि मध्य पूर्वी दुनिया में। कम से कम मेरे फैसले में, इसका मतलब यह नहीं है कि मध्य पूर्वी दुनिया खराब, भ्रष्ट, पतनशील या विकृत है।

इसका मतलब यह है कि पश्चिम में हमारी संस्कृति ग्रीको-रोमन युग में निहित है, और इन टेक्टोनिक ताकतों की एक-दूसरे के खिलाफ पहली लड़ाई मैराथन में होती है। मैराथन की इस लड़ाई में हम जो देखते हैं वह फारसियों पर यूनानी सैन्य बलों की विजय है। तो हम जानते हैं कि जो हुआ वह कुछ इस तरह था।

फिर, मेरी कलाकृति मेट्रोपॉलिटन संग्रहालय में पाई गई कलाकृति से कुछ कम है। जैसा कि मामला है, यूनानियों ने अपनी सेना को तीन इकाइयों में विभाजित किया। आम तौर पर यही हुआ है।

फारसी सेनाएँ कई गुना बड़ी थीं। इस क्षण के नाटक की कल्पना करने का प्रयास करें क्योंकि यह नाटकीय है, भले ही बुरे लोगों के विरुद्ध अच्छे लोग न हों। लेकिन इस क्षण का नाटक नाटकीय है।

फारसियों को युद्ध में कभी हार नहीं मिली है। कभी नहीं। और इसलिए अब उनकी सेना, लगभग 25,000, यूनानियों के बाहर इकट्ठी हो गई है और उन्होंने अपनी सेना को तीन इकाइयों में विभाजित कर दिया है।

निःसंदेह, यहां फारसियों की कतार लगी हुई है। हम आधुनिक परिप्रेक्ष्य का मजाक उड़ाएंगे और फारसियों को बुरे लोग कहेंगे। वे कभी भी अपने दाँत ब्रश नहीं करते।

फारसियों को यहाँ पर पंक्तिबद्ध किया गया है, और इसलिए फारसियों ने हमला किया। लेकिन यह पता चला है कि यूनानियों के पास एक प्रभावशाली युद्ध योजना है। किसे पता था? इसलिए फारसियों ने इन फारसी ताकतों को बीच के खिलाफ सफल होने की अनुमति दी।

और इसलिए, यूनानियों ने जानबूझकर, क्योंकि उनके सैनिक बहुत बेहतर प्रशिक्षित हैं, आखिरकार, यह एक शहर-राज्य प्रणाली है। तो, क्या होता है कि वे उस मैराथन को मजबूर करते हैं। उनका अपना केंद्र है, उनकी सैन्य वापसी का केंद्र है।

ठीक है, यदि आप सेना के बारे में कुछ भी जानते हैं, तो जब आप केंद्र खो देते हैं, तो यह आपकी सेना का विनाश है। तो केंद्र ऐसे पीछे हट जाता है। फारसियों को स्वाभाविक रूप से लगता है कि उन्होंने लड़ाई जीत ली है और इसलिए वे सीधे उनके जाल में फंस जाते हैं।

आप देखिए, यूनानी तब क्या करते हैं, वे दोनों तरफ से घेर लेते हैं। उन्होंने फ़ारसी सेनाओं को घेर लिया। अब, जो केंद्र यहां चला गया है, वह पकड़ लेता है और पूरी फारसी सेना पकड़ ली जाती है, घेर ली जाती है।

वे वस्तुतः नष्ट हो गये हैं। खैर, जो हुआ है वह यह नहीं है कि अच्छे लोग जीतते हैं। हुआ यह है कि यूनानी दुनिया को युद्ध के एक नए रूप के बारे में सिखा रहे हैं जो वास्तव में बिल्कुल नया है।

उन्होंने एक सैन्य प्रणाली बनाई थी जिससे इन अच्छी तरह से प्रशिक्षित सैनिकों को युद्ध में इधर-उधर ले जाया जा सके। ऐतिहासिक रूप से, एक बार लड़ाई में शामिल होने के बाद, यह सिर्फ अराजकता थी। लेकिन यूनानियों ने तुरही बजाकर एक संचार प्रणाली बनाई थी।

सैनिक अच्छी तरह प्रशिक्षित थे। यूनानी वास्तव में युद्ध की अराजकता में अपनी सेना को स्थानांतरित कर सकते थे। वे अपनी सेना को स्थानांतरित कर सकते थे।

इससे एक ज़बरदस्त गतिशीलता पैदा हुई जो फारसियों के पास नहीं थी। और इसलिए, यूनानी सैनिकों के उच्च प्रशिक्षण और यूनानी सैनिकों के प्रशिक्षण की जबरदस्त सफलता ने उन्हें फारसियों पर पूरी तरह से अप्रत्याशित सैन्य लाभ दिया। इसलिए, मैराथन फारसियों के लिए एक शर्मनाक हार साबित हुई।

और इसलिए, नए यूनानी हथियारों के साथ, इसका मतलब यह था कि फारसियों को एक बेहतर सेना से परिचय मिला जिसे वे नहीं समझते थे। यूनानियों के पास एक बहुत लंबा सैनिक था, क्षमा करें, एक बहुत लंबा भाला जिसे वे युद्ध में इस्तेमाल करते थे ताकि इन विशाल यूनानी संरचनाओं के पास ये लंबे भाले हों जिनका वे उपयोग कर सकें, और वे फारसी सैनिक को मार सकें इससे पहले कि फारसी सैनिक शामिल हो सके युद्ध में उनके विरुद्ध। इसलिए, यूनानी सैनिक की बेहतर हथियार और गतिशीलता को हॉपलाइट कहा जाता था।

और इसलिए, इस श्रेष्ठ हथियार ने फारसियों को एक बुरा आश्चर्य दिया। और इस प्रकार पहली लड़ाई यूनानियों ने जीत ली। अब, मित्रों, अधिक से अधिक 25,000 फ़ारसी सैनिक थे।

फारसियों ने लगभग 6,400 सैनिक खो दिए। फारस के आकार के साम्राज्य में 6,400 सैनिकों की हानि परिणामी नहीं है, इसलिए मैराथन शायद ही इतिहास की महाकाव्य लड़ाइयों में से एक बन जाए।

आखिरकार, यह केवल एक औसत आकार की लड़ाई थी। फारसियों को वास्तव में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। मैराथन ने फारसियों को यूनानियों के खिलाफ युद्ध से नहीं रोका।

लेकिन मैराथन जो प्राचीन दुनिया को बताता है, विशेष रूप से फारसियों को बताता है, वह यह है कि आप एक सैन्य समूह के खिलाफ हैं जिसके लिए आप तैयार नहीं हैं। फारस के लोग इस प्रकार के युद्ध के आदी नहीं हैं। और बिल्कुल स्पष्ट रूप से, यूनानी दुनिया को जो दिखाएंगे वह यह है कि उनकी सेना सिकंदर महान के माध्यम से लगातार जीतती रहेगी।

तो, इसके साथ ही, पहली लड़ाई यूनानियों के हाथ में आ गई। वे सभी को नहीं जीतेंगे, लेकिन वे उनमें से अधिकांश को जीत लेंगे। तो, इसके साथ, यह शायद रुकने का समय है।

और इसका कारण यह है: हम लड़ाइयों से डेरियस की नीतियों की ओर स्थानांतरित होने जा रहे हैं, जो बहुत महत्वपूर्ण हैं। तो, इसे ध्यान में रखते हुए, आइए एक विराम लें, और फिर हम वापस आएँ और अपना ध्यान सभी फ़ारसी राजाओं में से एक, डेरियस की ओर आकर्षित करें।

सुनने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद।

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 22, फ़ारसी साम्राज्य है।